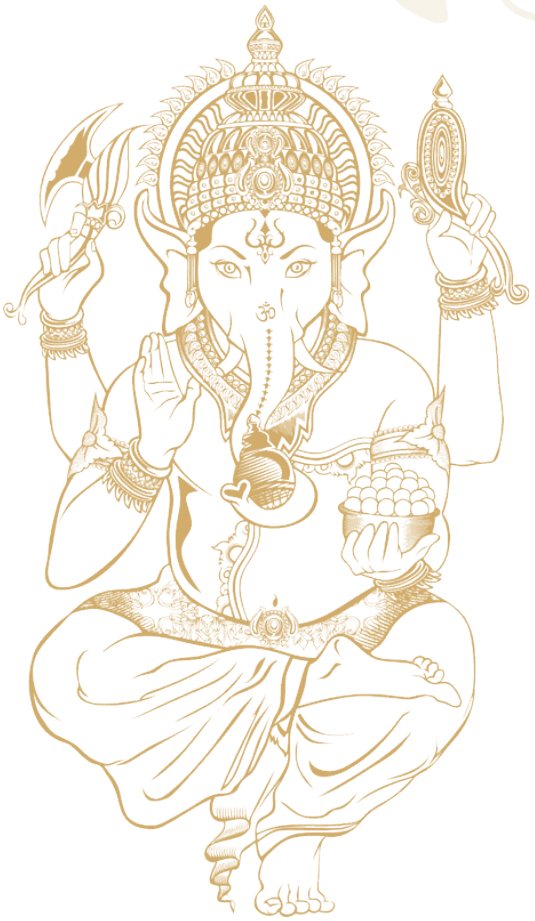

Shivansh (hari)

08 Sep 2022

01:17 PM

Korba

Model: web-freekundliweb

Order No: 121080808

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/09/2022**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:17:00 घंटे**
इष्ट	18:53:14 घटी
स्थान	**Korba**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	22:22:00 उत्तर
रेखांश	82:46:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:01:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:18:04 घंटे
वेलान्तर	00:02:13 घंटे
साम्पातिक काल	12:27:31 घंटे
सूर्योदय	05:43:42 घंटे
सूर्यास्त	18:09:11 घंटे
दिनमान	12:25:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:29:10 सिंह
लग्न के अंश	02:43:30 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:43:30	328:02:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	21:29:10	00:58:14	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			मक	23:02:29	14:42:22	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
मंगल			वृष	16:11:20	00:30:01	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			कन्या	14:35:16	00:10:44	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		मीन	11:53:51	00:07:02	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	09:43:52	01:14:16	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	25:58:40	00:03:49	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु	व		मेष	21:04:35	00:08:30	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	21:04:35	00:08:30	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		मेष	24:39:36	00:00:44	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप	व		मीन	00:05:37	00:01:38	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो	व		मक	02:09:39	00:00:49	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कन्या	13:18:59	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:15

लग्न-चलित

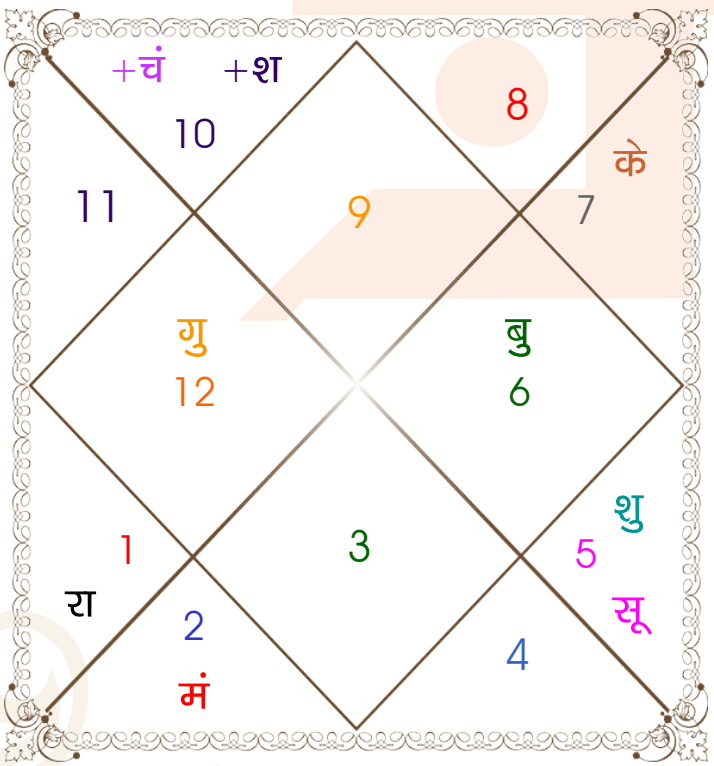

चन्द्र कुंडली

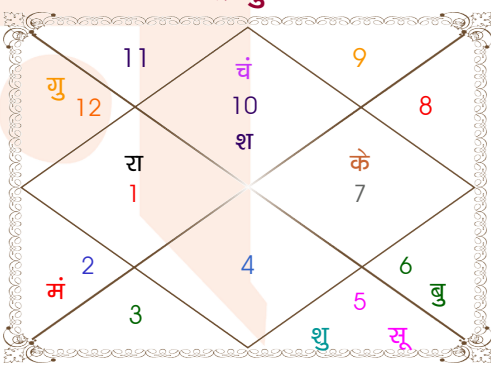

नवमांश कुंडली

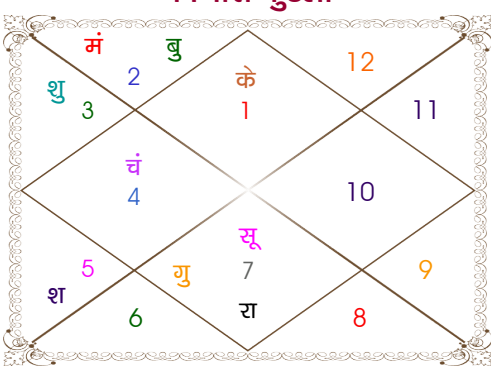

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 2 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/09/2022		27/11/2022		27/11/2029		27/11/2047		27/11/2063	
27/11/2022		27/11/2029		27/11/2047		27/11/2063		27/11/2082	
	00/00/0000	मंगल	25/04/2023	राहु	09/08/2032	गुरु	14/01/2050	शनि	30/11/2066
	00/00/0000	राहु	13/05/2024	गुरु	03/01/2035	शनि	28/07/2052	बुध	09/08/2069
	00/00/0000	गुरु	19/04/2025	शनि	09/11/2037	बुध	03/11/2054	केतु	18/09/2070
	00/00/0000	शनि	28/05/2026	बुध	28/05/2040	केतु	10/10/2055	शुक्र	18/11/2073
	00/00/0000	बुध	26/05/2027	केतु	15/06/2041	शुक्र	10/06/2058	सूर्य	31/10/2074
	00/00/0000	केतु	22/10/2027	शुक्र	15/06/2044	सूर्य	29/03/2059	चंद्र	31/05/2076
	00/00/0000	शुक्र	21/12/2028	सूर्य	10/05/2045	चंद्र	28/07/2060	मंगल	10/07/2077
	08/09/2022	सूर्य	28/04/2029	चंद्र	09/11/2046	मंगल	04/07/2061	राहु	16/05/2080
सूर्य	27/11/2022	चंद्र	27/11/2029	मंगल	27/11/2047	राहु	27/11/2063	गुरु	27/11/2082

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/11/2082		27/11/2099		28/11/2106		28/11/2126		28/11/2132	
27/11/2099		28/11/2106		28/11/2126		28/11/2132		09/09/2142	
बुध	25/04/2085	केतु	25/04/2100	शुक्र	30/03/2110	सूर्य	18/03/2127	चंद्र	28/09/2133
केतु	22/04/2086	शुक्र	26/06/2101	सूर्य	30/03/2111	चंद्र	16/09/2127	मंगल	29/04/2134
शुक्र	20/02/2089	सूर्य	31/10/2101	चंद्र	28/11/2112	मंगल	22/01/2128	राहु	29/10/2135
सूर्य	27/12/2089	चंद्र	01/06/2102	मंगल	28/01/2114	राहु	16/12/2128	गुरु	27/02/2137
चंद्र	29/05/2091	मंगल	29/10/2102	राहु	27/01/2117	गुरु	04/10/2129	शनि	28/09/2138
मंगल	25/05/2092	राहु	16/11/2103	गुरु	28/09/2119	शनि	16/09/2130	बुध	28/02/2140
राहु	12/12/2094	गुरु	22/10/2104	शनि	28/11/2122	बुध	23/07/2131	केतु	28/09/2140
गुरु	19/03/2097	शनि	01/12/2105	बुध	28/09/2125	केतु	28/11/2131	शुक्र	29/05/2142
शनि	27/11/2099	बुध	28/11/2106	केतु	28/11/2126	शुक्र	28/11/2132	सूर्य	09/09/2142

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।